असम में भैंसों एवं बुलबुल की पारंपरिक लड़ाइयाँ

[स्रोत:इंडियन एक्सप्रेस]

[माघ बिहू त्योहार] के दौरान **पारंपरिक भैंसा और बुलबुल की लड़ाई को पुनर्जीवित करने के कारण** असम सरकार के प्रयासों को **पीपुल्स फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा)** से कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिन्होंने इन दोनों प्रथाओं पर रोक लगाने के लिये गोहाटी उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है।

- **असमिया शीतकालीन फसल त्योहार, माघ बिहू** से जुड़ी लोक संस्कृति का भाग के रूप में ये लड़ाइयाँ [पशु क्रूरता] पर वर्ष 2014 के सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के बाद बंद कर दिये गए थे।
- हालाँकि वर्ष 2023 में सर्वोच्च न्यायालय ने [पशु क्रूरता निवारण अधिनियम] में **संशोधन की अनुमति** दी, जिससे ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति हुई।
    - निर्दिष्ट अवधि के बाद निर्धारित भैंसों की लड़ाई पर हाल ही में हुए विवाद ने कानूनी हस्तक्षेप को प्रेरित किया है।
- यह मुद्दा सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और आधुनिक समाज में नैतिक चिंताओं को संबोधित करने के मध्य तनाव पर प्रकाश डालता है।

और पढ़ें... [फसल त्यौहार], [जल्लीकट्टू], [कंबाला]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/assam-s-traditional-buffalo-and-bulbul-fights